GIRLS' HIGH SCHOOL & COLLEGE, PRAYAGRAJ

WORKSHEET – 2

SESSION – 2020 – 2021

CLASS – 8th A,B,C,D & E

SUBJECT – SANSKRIT

निर्देश - अभिभावकों से निवेदन है कि निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश और उसके हिन्दी – अनुवाद को ध्यानपूर्वक पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखने में छात्राओं की सहायता करें ।

पाठ – वृक्षस्य आत्मकथा

तव पित्रा नियुक्तैः उद्यान-पालकैः संवर्धितः संरक्षितः च अहं पूर्णो वृक्षः जातः । प्रतिवर्षं बसन्ते अहं नव किसलयान् धारयामि । मयि जायमानाभिः मञ्जरीभिः उद्यानं सुरभितं जायते । ताभिः आकृष्टाः भ्रमराः गुञ्जारवव्याजेन मम स्तवनम् इव कुर्वन्ति । शाखाग्रेषु स्थिताः कोकिलाः च मधुरं गायन्ति ।

हिन्दी अनुवाद –

तुम्हारे पिता द्वारा नियुक्त बगीचे के रखवालों द्वारा संवर्धित और संरक्षित मैं पूर्ण वृक्ष हो गया । प्रतिवर्ष बसन्त में मैं नये किसलयों को धारण करता हूँ । मुझमें पैदा हुई मंजरियों से बाग सुगन्धित होता है । उनसे आकर्षित होकर भौंरे गुंजार के बहाने मेरी स्तुति-सी करते हैं और डालियों के अग्र भागों पर बैठी हुईं कोयल मीठा गाती हैं ।

शब्दार्थ -

किसलयान् - कोपलें (पत्तियाँ) भ्रमराः - भौंरे

सुरभितः - सुगन्ध पित्रा - पिता के द्वारा

स्तवनम् - स्तुति स्थिताः- बैठी हुई

प्रश्न – 1 - नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) कस्मिन् समये वृक्षः नव किसलयान् धारयति ?

(ख) काः मधुरं गायन्ति ?

प्रश्न – 2- नीचे लिखे रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) अहं ------- वृक्षः जातः ।

(ख) प्रतिवर्षं बसन्ते अहम् ------ धारयामि ।

प्रश्न - 3 - निम्नलिखित शब्दों के संस्कृत में वाक्य बनाइए –

(क) प्रतिवर्षं। (ख) उद्यानं (ग) भ्रमराः

END